कृषि मंत्री श्री अर्जुन मुंडा जी ने किया आईसीएआर आरसीईआर के रांची केंद्र का दौरा

दिनांक 16 दिसम्बर, 2023 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केन्द्र, प्लाण्डु में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा जनजातीय कार्यमंत्री माननीय श्री अर्जुन मुण्डा जी का शुभागमन हुआ। इस अवसर पर कृषक-वैज्ञानिक संवाद एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय श्रीअर्जुन मुण्डा जी द्वारा मंगलदीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस आयोजन में देश के पूर्वी राज्यों के 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

डा. अनुप दास, निदेशक,भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने स्वागत करते हुए कृषि मंत्री जी को केन्द्र की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंनेबताया कि इस केन्द्र ने अबतक सब्जियों की 52 एवं फलों की 5 उन्नत किस्मों तथा अनेकउन्नत कृषि तकनीकों का विकास किया है जिनसे पूर्वी भारत के लाखों किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

अपने संबोधन में माननीय कृषि मंत्री जी ने कहा कि खेती और किसानों की वजह से ही हमारा अस्तित्व है तथा वे बहुत सम्माननीय हैं। हर स्वादिष्ट व्यंजन के पीछे किसानों की कड़ी मेहनत है। विकसित भारत संकल्प के अंतर्गत हमें कृषि उत्पादन को इतना बढ़ाना है कि हमें इनके आयात कीआवश्यकता न पड़े और हम आत्मनिर्भर बनें। देश की बदलती अर्थ नीति को ध्यान में रखते हुए आधुनिक युग के अनुसार अधिक उपज और स्वस्थ पैदावार के लिए कृषि संस्थाएँ काम कर रही हैं । केन्द्र के कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि किसान ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर अपने समय और संसाधनों की बचत कर सकते हैं। उन्होंने झारखंड के किसानों को प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने , फलों एवं सब्जियों का परिरक्षण, मूल्यवर्धन तथा बीज उत्पादन जैसे उद्यमों को व्यावसायिक तौर पर अपनाने की सलाह दी । उन्होंने यह भी कहा कि जन-प्रतिनिधि इस अनुसन्धान केन्द्र से जुड़कर अपने पंचायत को कृषि आधारित आदर्श पंचायत बनाएं तथा बीज ग्रामों को बढ़ावा दें।

माननीय मंत्री जी के समक्ष कई किसानों ने अपनी सफलता की कहानी साझा की। प्रगतिशील किसानों श्रीमती एमलेन कंडुलना, कृषि उद्यमी श्री सचिन झा एवं सुश्री अंजली लकड़ा ने बताया कि अनुसंधान केन्द्र,प्लाण्डु के मार्गदर्शन में उन्नत कृषि तकनीकों जैसे- सब्जियों में संसाधन संरक्षण तकनीक, मडुआ का मूल्यवर्धन तथा वर्षभर मशरूम उत्पादनको अपनाकर वे सालाना 4 से 10 लाख रु. शुद्ध आय अर्जित कर रहे हैं। प्रगतिशील किसान श्रीमती एमलेन कंडुलना ने कहा कि अनुसंधान केंद्र, प्लांडु से उन्हें और अन्य किसानों को बहुत लाभ हुआ है, अतः उन्होंने कृषि मंत्री जी से इस केंद्र को और आगे बढ़ाने का अनुरोध किया।

माननीय कृषि मंत्री जी ने अनुसंधान केन्द्र, प्लाण्डु से लाभान्वित प्रगतिशील किसानों और उद्यमियों को उन्नत बीज एवं कृषि यंत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने केन्द्र परिसर में रुद्राक्ष के पौधे का रोपण एवं प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। केन्द्र के प्रक्षेत्र में स्थित ब्रिमैटो (बैंगन पर टमाटर काकलमबंधन) पौधे, ग्राफ्टेड टमाटर, आम की 12 किस्मों वाला एक पेड़ एवं कृषि ड्रोन मुख्य आकर्षण रहे।

इस अवसर पर डा. के.पी. सिंह, सहायक महानिदेशक (अभियांत्रिकी), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; डा. सुजय रक्षित, निदेशक, भारतीय कृषि जैव-प्रौद्योगिकी संस्थान, राँची; श्री राजेन्द्र किशोर, उप महानिदेशक (बागवानी), झारखण्ड; केन्द्र एवं राज्य सरकार के अधिकारीगण सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।अनुसंधान केन्द्र, प्लाण्डु के प्रभारी प्रधान डॉ. आर.एस. पान द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन डा. बाल कृष्ण झा, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा किया गया।